राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 15 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-236 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड

ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

नई दिल्ली देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है। इसका कारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है। ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है। देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूयतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूयतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ। नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले है। सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है। दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सतही तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।

दिवाली से पहले दिल्लीवासियों के लिए रेखा सरकार ने लांच की पानी बिल पर माफी योजना

नई दिल्ली दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने दिवाली से पहले दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। रेखा सरकार ने पानी बिल पर माफी योजना की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली जल बोर्ड की बकाया बिल माफी योजना को लांच किया है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि दिल्ली में पानी के ज्यादा बिल आने से लोग परेशान थे। उसका एक कारण जल बोर्ड का भारी ब्याज है। ब्याज पर ब्याज लगाकर वह साल का लगभग 80 फीसदी ब्याज हो जाता था। लोग इसके लिए माफी योजना का इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद उन्होंने माफी योजना को जल्द लाने के निर्देश दिए। पुराना सॉफ्टवेर बदलने के कारण इस योजना को लाने में समय लगा। इस योजना से जल बोर्ड को हजारों करोड़ का नुकसान होगा लेकिन आम लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। दिल्ली जल बोर्ड को कर्ज से निकालकर मुनाफे की ओर ले जाने का काम राज्य सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। इसके साथ ही रेखा गुप्ता ने कहा कि अवैध कनेक्शन लेने वाले यदि वैध कनेक्शन लेते हैं, तब उन्हें लगभग 96 फीसदी तक की छूट मिलेगी। दिल्ली में पानी कनेक्शन वाले 29 लाख ग्राहक हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी सरकार पर हमलावार होकर कहा कि लोग लाखों रुपये का बिल लेकर आते थे। उन्हें केवल आश्वासन मिलता था। पिछली सरकार ने जो काम 10 साल में नहीं किया उस काम को भाजपा सरकार ने 7 माह में पूरा कर दिया है। घरेलू कनेक्शन वालों को 31 जनवरी तक सौ फीसदी छूट देरी शुल्क पर मिलेगी। इसके बाद एक फरवरी से 31 मार्च तक 70 फीसदी छूट देरी शुल्क पर दी जाएगी। यह रकम लगभग 11 हजार करोड़ है। सीएम गुप्ता ने कहा कि पानी बिल का भुगतान करने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा। देरी से जमा करने वालों को दो फीसदी ब्याज देना होगा। अभी यह ब्याज 5 फीसदी है। हजारों कनेक्शन अवैध रूप से चल रहे हैं। सरकार वैध कनेक्शन को प्रोत्साहित कर रही है। अब घरेलू कनेक्शन 25,000 की जगह 1000 में दिया जाएगा। अन्य कनेक्शनों को 61 हजार की जगह 5000 में दिया जाएगा।

अब मेडागास्कर में युवाओं ने किया तख्तापलट

राष्ट्रपति आंद्रे राजोएलिना देश छोड़कर भागे

एंटानानारिवो

नेपाल के बाद अब मेडागास्कर में भी विद्रोह की आग फैल गई। यहां जेन-जेड आक्रोश इतना ज्यादा बढ़ गया कि राष्ट्रपति आंद्रे राजोएलिना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इससे पहले यहां युवाओं ने आंदोलन किया और उनका आक्रोश बढ़ा जो थमने का नाम नहीं ले रहा था। राष्ट्रपति राजोएलिना ने एक दिन पहले ही रविवार को दावा किया था कि सेना की मदद से देश में तख्तापलट की कोशिशें हो रही हैं। जेन-जेड के ताजा विद्रोह और सत्ता में शीर्ष पद पर बैठे अधिकारी द्वारा पद छोड़ने का यह नवीनतम उदाहरण है। पिछले महीने नेपाल में भी जेन-जेड ने इसी तरह का भारी विरोध-प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वहां के पीएम ने कुर्सी छोड़ दी थी। सोमवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राजोएलिना ने कहा कि उन्हें अपनी जान बचाने के लिए किसी सुरक्षित स्थान पर जाना होगा। उन्होंने अपने ठिकाने का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात रखी कि वह मेडागास्कर को बर्बाद नहीं होने देंगे। भाषण के बाद राजनयिक सूत्र ने कहा कि राजोएलिना पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं। संसद में विपक्ष के नेता, सितेनी रैंड्रियानासोलोनियाइको ने बताया कि राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना रविवार को मेडागास्कर छोड़कर चले गए, जब सेना की कुछ टुकड़ियां प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गईं। सितेनी ने कहा, हमने राष्ट्रपति कार्यालय के कर्मचारियों से बात की और उन्होंने पुष्टि की कि वह देश छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि राजोएइलिना का वर्तमान ठिकाना अज्ञात है। राष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। सैन्य सूत्र ने बताया कि रविवार को फ्रांसीसी सेना कासा विमान मेडागास्कर के सैंटे मैरी हवाई अड्डे पर उतरा। सूत्र ने कहा, पांच मिनट बाद एक हेलीकॉप्टर आया और अपने यात्री को कासा में ले गया और बताया कि राजोएलिना ही वह यात्री था। 25 सितंबर को पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश में पानी और बिजली की कमी को लेकर प्रदर्शन शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही यह भ्रष्टाचार, कुशासन और बुनियादी सेवाओं की कमी जैसी व्यापक शिकायतों को लेकर विद्रोह में बदल गया। सैन्य सूत्र ने बताया कि राजोएलिना रविवार को एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश मेडागास्कर से रवाना हुए। फ्रांसीसी रेडियो आरएफआई ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ समझौता कर लिया है। गाजा युद्धविराम और बंधक समझौते पर

शिखर सम्मेलन के बाद मिस्र में बोलते हुए मैक्रों ने कहा कि वह उन रिपोर्टों की तुरंत पुष्टि नहीं कर सकते कि फ्रांस ने राजोएलिना को देश से भागने में मदद की थी। उन्होंने आगे कहा कि मेडागास्कर में संवैधानिक व्यवस्था को बनाए रखा जाना चाहिए और हालांकि फ्रांस देश के युवाओं की शिकायतों को समझता है, लेकिन सैन्य गुटों द्वारा उन शिकायतों का फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए।

बंधकों की रिहाई पर पीएम मोदी ने ट्रंप के शांति वाले प्रयासों को सराहा

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति के प्रयासों के लिए सराहना की है। उन्होंने शांति के लिए ईमानदारी वाले प्रयास बताते हुए बंधकों की रिहाई का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने सोमवार को गाजा पट्टी में इजराइल के सभी 20 बंधकों की रिहाई का स्वागत किया और कहा कि भारत क्षेत्र में शांति लाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी की यह टिप्पणी राष्ट्रपति ट्रंप और कई अन्य वैश्विक नेताओं द्वारा मिस्र के लाल सागर रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख में शांति सम्मेलन में भाग लेने से कुछ घंटे पहले आई है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम दो साल से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखे गए सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं।

उन्होंने लिखा, उनकी रिहाई उनके परिवारों के साहस, राष्ट्रपति ट्रंप के अथक शांति प्रयासों और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के मजबूत संकल्प के प्रति सम्मान है। मोदी ने कहा, हम क्षेत्र में शांति लाने के राष्ट्रपति ट्रंप के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करते हैं। शर्म अल-शेख रवाना होने से पहले ट्रंप ने इजराइली संसद को संबोधित किया। इस सम्मेलन की मेजबानी ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने संयुक्त रूप से की है। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रयासों की सराहना की, जिन्हें उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दृढ़ संकल्प के साथ अटूट बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत क्षेत्र में शांति लाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों का पूरा समर्थन करता है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व किया।

विदेश मंत्रालय ने बातचीत द्वारा दो राष्ट्र संबंधी समाधान के प्रति भारत के दीर्घकालिक समर्थन को दोहराया तथा कहा कि वह क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करेगा। ट्रंप की गाजा शांति योजना के पहले चरण के तहत हमास ने दो साल से अधिक समय पहले बंधक बनाए गए इजराइली बंधकों को सोमवार को रिहा कर दिया।

विदेश मंत्रालय ने देर रात जारी बयान में कहा, भारत पश्चिम एशिया में शांति तथा वार्ता एवं कूटनीति के माध्यम से मुद्दों के समाधान का पक्षधर है। इसने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना का समर्थन करते हैं तथा शांति के मार्ग को आगे बढ़ाने में मिस्र और कतर की बहुमूल्य भूमिका की सराहना करते हैं।

सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग वाली याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई टल गई। सुनवाई अब 15 अक्टूबर को होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने 2 अक्टूबर को आर्टिकल 32 के तहत कोर्ट में हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने पति की एनएसए के तहत गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। दरअसल, वांगचुक 19 दिनों से जोधपुर की जेल में हैं। उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे। इसके पहले 6 अगस्त की सुनवाई में केंद्र को नोटिस जारी करके वांगचुक की पत्नी की याचिका पर जवाब मांगा था। वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने दलील में कहा था कि वांगचुक को जिन कारणों से हिरासत में लिया गया, उसकी कॉपी परिवार को नहीं सौंपी गई है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति (वांगचुक) को पहले ही दिए जा चुके हैं। इसकी कॉपी वांगचुक की पत्नी को देने पर विचार किया जाएगा।

वक्फ बिल से विपक्ष इसलिए परेशान, क्योंकि उनके लोगों के संपत्तियों पर हैं कब्जे

केंद्र सरकार का नया बिल इन कब्जों को हटाने के लिए लाया गया

संभल

यूपी वक्फ बोर्ड निगम लिमिटेड के निदेशक गुलाम मोहम्मद ने संभल में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का नया बिल इन कब्जों को हटाने के लिए लाया गया है। बिल लागू होने के बाद अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसलिए परेशान है, क्योंकि उनके लोगों के वक्फ संपत्तियों पर कब्जे हैं। मुस्लिम समाज द्वारा बिल के विरोध पर गुलाम मोहम्मद ने कहा कि यह कोई नया संशोधन नहीं है बल्कि ऐसे प्रावधान पहले भी रहे हैं। उन्होंने बताया कि वक्फ का उद्देश्य गरीबों, जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाना और बच्चों को शिक्षा प्रदान करना था।

निदेशक गुलाम ने आरोप लगाया कि यूपी की 1.25 लाख वक्फ संपत्तियों को वक्फ माफियाओं ने हड़प लिया है। इससे किसी भी गरीब, जरूरतमंद या विधवा को कोई लाभ नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि इस कारण ही यह नया बिल लाया गया है। गुलाम मोहम्मद ने सवाल किया कि वक्फ माफियाओं की नीयत खराब होने के कारण आज तक वक्फ की जमीन पर कोई डिस्पेंसरी, अस्पताल, विद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज या मदरसा क्यों नहीं बन पाया।

उन्होंने कहा कि माफियाओं ने गरीबों और जरूरतमंदों के हिस्से पर भी कब्जा कर लिया है। उन्होंने यकीन दिलाया कि बिल लागू होने के बाद सभी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे और गरीबों को उनका हक मिलेगा।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की उथल-पुथल से नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों पर ज्यादातर कब्जे विपक्ष के लोगों और उनके गुर्गों ने किए हैं। जिससे मुस्लिम समाज को आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि वे सरकार की अच्छी योजनाओं की सराहना क्यों नहीं करते और मुस्लिम समाज को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित क्यों नहीं करते।

गुलाम मोहम्मद के मुताबिक विपक्ष केवल अपनी कुर्सी और संपत्ति बचाने के लिए विरोध कर रहा है।

टेसमेक छापामारी मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, ईडी की जांच पर अस्थायी रोक

नई दिल्ली

तमिलनाडु के राज्य स्वामित्व वाली शराब विपणन कंपनी टेसमेक में कथित भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ईडी की जांच तब तक स्थगित रहेगी, जब तक धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी के अधिकारों से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर फैसला नहीं हो जाता। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, कि मुझे नहीं पता कि पुनर्विचार याचिका पर कब फैसला होगा। पिछले तीन वर्षों से सुन रहा हूं कि विजय मदनलाल मामले पर कोई न कोई पीठ सुनवाई करेगी। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने ईडी की मौजूदा जांच पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, एक बार चुनाव हो जाने के बाद, इस मामले में किसी की दिलचस्पी नहीं रहेगी। इस पर सीजेआई गवई ने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा, मैं कुछ नहीं कहना चाहता। वहीं सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा, यह पहले ही बताया जा चुका है कि माई लॉर्ड कुछ नहीं कहेंगे।

इस पर सिब्बल ने कहा, यह अच्छी बात है, क्योंकि जो नहीं कहा जाता, वह बहुत कुछ कह देता है। यहां बताते चलें कि यह मामला 6 से 8 मार्च के बीच ईडी द्वारा टेसमेक मुख्यालय पर की गई छापेमारी से जुड़ा है।

ईडी ने आरोप लगाया था कि वरिष्ठ अधिकारी शराब की बोतलों की कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ा रहे थे, निविदा प्रक्रिया में हेराफेरी कर रहे थे और रिश्वत लेकर ठेके दे रहे थे। जांच के दौरान लगभग 1,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले थे, जिसके बाद एजेंसी ने कई अधिकारियों और ठेकेदारों से पूछताछ की थी।

अमेरिका के बाहर विशाखापत्तनम में गूगल बनाएगा अपना दूसरा सबसे बड़ा एआई हब

गूगल अगले पाँच वर्षों में भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा

विशाखापत्तनम

(ईएमएस)। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल भारत में बड़ा दांव लगाने जा रही है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा है कि उनकी कंपनी भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बड़ा हब बनाने के लिए 1.33 लाख करोड़ रुपये (15 अरब डॉलर) का निवेश करने की तैयारी में है। पिचाई ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बारे में बात की है और विशाखापत्तनम में अपने पहले एआई हब के लिए अमेरिकी तकनीकी दिग्गज की योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी है। गूगल ने विशाखापत्तनम में विशाल डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस की घोषणा की है, जो अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा एआई हब होगा। कंपनी ने कहा कि गूगल अगले पाँच वर्षों में भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

भारतीय मूल के सीईओ पिंचई ने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करके बहुत अच्छा लगा, हमने विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई केंद्र के लिए अपनी योजनाओं को साझा किया जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।'' पिचाई ने लिखा, यह केंद्र गीगावाट स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब-सी गेटवे और विशाल ऊर्जा अवसंरचना को एक साथ लाता है।

दूसरी ओर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत सरकार के कई दिग्गज मंत्री एक मंच पर दिखाई दिए। इसी कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थॉमस कुरियन ने कहा, ''यह अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा जिसमें हम निवेश करने जा रहे हैं। कार्यक्रम में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। समझौता गूगल और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच हुआ है। इसी समझौते पर हस्ताक्षर होने के तुरंत बाद पिचाई ने एक्स पर पोस्ट किया।

समझौते के मुताबिक, अमेरिका की कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक एआई केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। इसमें अदाणी समूह के

साथ साझेदारी में देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर भी शामिल होगा। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।गूगल अगले पाँच वर्षों में भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा

मिसाइल मैन .डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

(लेखक - संजय गोस्वामी)

डा. अब्दुल कलाम जयंती (15 अक्टूबर) पर विशेष)

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिंडेट भी कहा जाता था उनका मानना था कि शइंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैंश. ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे.एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ. अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है. 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया. सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े. अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका. 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, त्त्क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए. इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए फ्व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) 'एम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ऍम कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं. जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही.इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई।! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश. ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे. किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6रू30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए

सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश. ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे. किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6रू30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भगवान राम के बारे में शोध किया था, खासकर रामायण काल के हथियारों और रामसेतु जैसे विषयों पर। वे भारतीय संस्कृति और साहित्य में गहरी रुचि रखते थे और रामसेतु पर शोध को आधुनिक हथियारों के विकास में मददगार मानते थे। उनका मानना था कि रामेश्वरम में रहने और पिता के साथ मंदिर जाने के कारण भगवान राम के प्रति उनकी विशेष श्रद्धा थी। शोध और रुचि- डॉ. कलाम रामायण काल के अस्त्र-शस्त्रों पर शोध करने में रुचि रखते थे, यह मानते हुए कि इससे आधुनिक हथियारों के विकास में मदद मिल सकती है। खासकर, भीड़ नियंत्रण के लिए सम्मोहन अस्त्र जैसे विषयों पर उनका शोध था। रामसेतु- उन्होंने रामसेतु के बारे में भी शोध किया था और इसका संबंध उस समय से जोड़ा था जब समुद्र स्तर लगभग झ(28झ) मीटर बढ़ा था। आस्था और जन्मस्थान- रामेश्वरम में जन्म और पालन-पोषण के कारण, वह अपने पिता के साथ अक्सर रामेश्वरम मंदिर जाते थे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम जिन्होंने भारत का सर्वोच्च पद संभाला, जिन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान मिला। लेकिन उन्होंने कभी अपने पद की शक्ति का अहंकार नहीं किया। वो हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने देश सेवा और लोगों की सेवा को ही अपना पहला और अंतिम लक्ष्य बना लिया था और उसी पथ पर वो जीवनभर चलते रहे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के जिन्होंने अपने जीवनकाल में कई ऐसे अनमोल और प्रेरणादायी वचन कहे हैं। जिन्हें अगर आप आत्मसात कर लें यानी अपनी आत्मा में बिठा लें तो यकीन मानिए इससे आपका भविष्य तो उज्ज्वल होगा ही, साथ ही आपके जीवन को भी ये बेहतर बना देगा। मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के 10 अनमोल और प्रेरणादायी वचन। 1. ऊंचाई तक जाने के लिए शक्ति अर्थात योग्यता की आवश्यक्ता होती है, चाहे वो ऊंचाई एवरेस्ट की हो या आपके करियर की। 2. मुश्किलें जिंदगी का हिस्सा हैं। उसके कारण जिंदगी को समाप्त नहीं किया जा सकता, लेकिन स्वयं की मदद करें जिससे आप अपनी ताकत को जान सकें। मुश्किलों को भी पता चलने दो कि उसके लिए आप कितने

मुश्किल हैं। 3. इंसान को जीवन में मुश्किलों की जरूरत है, क्योंकि यही मुश्किलें सफलता का सुख अनुभव कराती हैं। 4. हमें उम्मीद नहीं छोड़ना चाहिए और न ही खुद को हारने की अनुमति देनी चाहिए। 5. किसी सपने को पूरा करने के लिए सपने देखना जरूरी है। 6. अपने मिशन में सफल होने के लिए हमें अपने लक्ष्य की ओर एकाग्रचित होकर कार्य करना चाहिए। सफलता जरूर मिलेगी। 7. अंग्रेजी बहुत आवश्यक है। वर्तमान समय में विज्ञान संबंधी मूल ज्ञान अंग्रेजी में ही मौजूद हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि कुछ दशक बाद हमारी भाषा में भी विज्ञान का मूल ज्ञान होगा और उस समय हम भी जापानियों जैसे परिवर्तन कर पाएंगे। 8. धर्म की स्थापना के लिए किसी को मारना, किसी धर्म में इसका उल्लेख नहीं है। 9. भगवान जो हमारे निर्माता हैं, उन्होंने हमारे मन, दिमाग और व्यक्तित्व को कई शक्तियां और योग्यता दी हैं। प्रार्थना हमें अपनी शक्तियों को बढ़ाने में हमारी मदद करती है, इसलिए प्रार्थना करें। 10. एक अच्छी किताब सौ दोस्तों के समान है, पर एक अच्छा दोस्त पूरे पुस्तकालय (लाइब्रेरी) के बराबर होता है। इसलिए बेहतर है कि एक अच्छा दोस्त बनाएं। इसलिए, राम और हिंदू धर्म के प्रति उनकी विशेष श्रद्धा थी, भले ही वह जन्म से मुस्लिम थे। समानता का प्रतीक- रामेश्वरम में लोगों ने कलाम की प्रतिमा को रामेश्वरम मंदिर में स्थापित किया है, जो दिखाता है कि उन्होंने कैसे एक महान व्यक्ति के रूप में लोगों के दिलों में जगह बनाई।

संपादकीय

जोखिमभरी शांति

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते-लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी, साथ ही आतंरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है, ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा।

करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है डॉ. कलाम का जीवन दर्शन

(लेखक- श्वेता गोयल)

डा. अब्दुल कलाम जयंती (15 अक्तूबर) पर विशेष

'मिसाइलमैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे, जिन्होंने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों का दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। डा. कलाम की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी का दिल जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020- ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। कलाम साहब ने देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका कुल 52 सदस्यों भरा-पूरा परिवार उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020- ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

कलाम साहब कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। 27 जुलाई 2015 को यह महान् शिलांग में विभूति भारतीय प्रबंधन संस्थान एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ।

जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है।

शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

विचार मंथन

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

(लेखक - प्रतापराव जाधव)

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है।

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है।

यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन

भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96 प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थी और आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार

भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं। आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है।

पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैं और आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं।

आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए

आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है। जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है।

भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर देता है। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है।

आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगे। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है। यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता e₹ वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, कैनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डिजिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

एलजी के शेयर की एनएसई पर 1710 रुपए पर लिस्टिंग

पलक झपकते निवेशकों को मिला 50 फीसदी रिटर्न

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर्स की धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर 1710.1 रुपये प्रति शेयर पर लिस्टिंग हुई है और बीएसई पर 1715.1 रुपये प्रति शेयर पर एलजी के शेयर्स लिस्ट हुए हैं। आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 7 से 9 अक्टूबर तक खुला था और अलॉटमेंट 10 अक्टूबर को हुआ और मंगलवार को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए हैं। इस आईपीओ ने रिकॉर्ड तोड़ दिया. कुल सब्सक्रिप्शन की रकम लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये रही, जो बाजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले रिकॉर्ड 3.2 लाख करोड़ रुपये को आसानी से पीछे छोड़ चुकी है। कुल शेयरों की पेशकश के मुकाबले सब्सक्रिप्शन 54 गुना रहा है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे आगे रहते हुए 166 गुना से ज्यादा बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की सब्सक्रिप्शन 22 गुना, रिटेल निवेशकों की 3.5 गुना और कर्मचारियों की 7.6 गुना रहा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसमें 10.18 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचे गए. साउथ कोरियाई पैरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपनी हिस्सेदारी कम की. शेयर की कीमत बैंड 1,080 से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय की गई थी।

अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

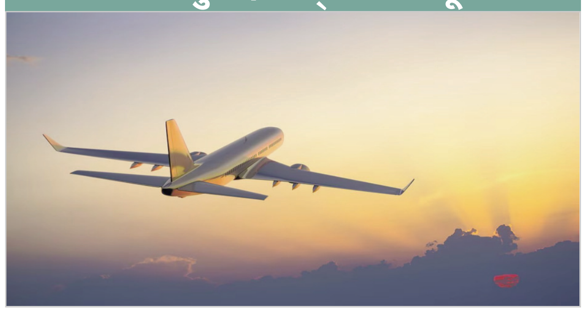

नई दिल्ली

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।

दिवाली पर मौका! एक्सिस सिक्योरिटीज ने बताए शेयर्स

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में इस साल, यानी संवत 2081 में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कमजोर कमाई, अमेरिकी नीतियों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये की कीमत में कमी जैसे कारणों से बाजार पर दबाव रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि संवत 2082 में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। अगले वित्त वर्ष (2026) में अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और 2027 में और बेहतर नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में दीवाली 2025 निवेश के लिए अच्छा मौका हो सकता है।

दिवाली 2025 के लिए लंबे समय के निवेश करने के लिए आप कुछ खास स्टॉक्स चुन सकते हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ ऐसे शेयरों की सलाह दी है, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और चैलेट होटल्स जैसे नाम शामिल हैं। ये शेयर लंबे समय तक अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ कंपनियों के शेयरों की सलाह दी है। पहला है रेनबो चिल्ड्रन मेडिकेयर। इस कंपनी का टारगेट प्राइस 1,625 रुपये है, जिसमें 23 प्रतिशत की बढ़त की संभावना है। यह कंपनी बच्चों और मातृत्व देखभाल में विशेषज्ञता रखती है।

इसके अस्पतालों में अच्छी बुकिंग और नए अस्पतालों से आय बढ़ रही है। कंपनी का मॉडल स्केलेबल है और कम पूंजी में विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद है।

दूसरा है डोम्स इंडस्ट्रीज, जिसका टारगेट प्राइस 3,110 रुपये है। यह कंपनी पेन, बैग, खिलौने और डायपर जैसे नए प्रोडक्ट्स में विस्तार कर रही है। कोटक महिंद्रा बैंक का टारगेट 2,500 रुपये है। यह बैंक जमा और कर्ज में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। फेडरल बैंक का टारगेट 240 रुपये है। यह बैंक मध्यम आय वाले सेगमेंट में तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ सालों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का टारगेट 625 रुपये है। यह कंपनी ऊर्जा भंडारण और 30 गीगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ रही है।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित

फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था।

अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुत्ताकी ने भारतीय उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार भारतीय निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिक्की और अफगान चैंबर ऑफ कॉमर्स की साझेदारी को भी अहम बताया। बैठक में भारतीय उद्योग जगत ने वीजा संबंधी समस्याओं को गंभीर चिंता का विषय बताया और व्यापारियों की सुगम आवाजाही की मांग की। इसके अलावा, माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स में आ रही बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

केईसी और मैक्स अस्पताल जैसी भारतीय कंपनियों ने अफगानिस्तान में फिर से संचालन शुरू कर दिया है। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय अफगान छात्रों को सहयोग देने और एक साझा परिसर स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह बैठक दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का संकेत है।

गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना

नई दिल्ली इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्रज एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्ष में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

2026 तक पटरी पर आने की तैयारी

नई दिल्ली भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है।इस बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

चीन ने दक्षिण कोरियाई हनव्हा ओशन की अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों पर लगाई रोक

अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में उठाया गया कदम

हांगकांग चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माता हनव्हा ओशन की पांच अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों के साथ चीनी कंपनियों के व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण उद्योग में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में लिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने अप्रैल 2024 में धारा 301 के तहत एक व्यापार जांच शुरू की थी, जिसमें कहा गया कि चीन की जहाज निर्माण क्षमताएं अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर रही हैं। इसके जवाब में चीन ने हनव्हा ओशन की जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें हनव्हा शिपिंग एलएलसी, हनव्हा फिली शिपयार्ड इंक और अन्य चार कंपनियां शामिल हैं। गौरतलब है कि हनव्हा ने 2024 के अंत में 100 मिलियन डॉलर में अमेरिकी फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था और अगस्त में उसने अमेरिका में 5 अरब डॉलर के निवेश की योजना घोषित की थी। जहाज निर्माण क्षेत्र अब अमेरिका-चीन व्यापारिक टकराव का नया केंद्र बनता जा रहा है, जहां दोनों देश नई शुल्क नीतियों के ज़रिए एक-दूसरे को जवाब दे रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 297 , निफ्टी 81 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा।

निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्कई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर बोर्डकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला।

एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

मुंबई पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अधिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है। 2025-26 तक निवेशक संख्या 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, वित्तीय साक्षरता और डिजिटलीकरण इस बदलाव के प्रमुख कारक हैं। एनएसई ने निवेशकों को दीर्घकालिक, ज्ञान-आधारित निवेश की सलाह दी है न कि सट्टेबाजी की।

भगोड़े विजय माल्या का बैंकों पर हमला: संपत्तियां बिक चुकीं, फिर भी मांग जारी

यूके कोर्ट से केस वापस लेने के बाद बोले माल्या – भारत में ही निपटाना चाहता हूं मामला

नई दिल्ली भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय बैंकों पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,100 करोड़ रुपये की वसूली कर ली है, जो कि कर्ज की मूल रकम से कहीं अधिक है। बावजूद इसके, बैंक अब भी उनसे पैसों की मांग कर रहे हैं। माल्या ने कहा कि डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने केवल 6,203 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था, लेकिन बैंकों ने उससे दुगुनी रकम वसूल ली है। उन्होंने भारतीय वित्त मंत्रालय के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अब तक बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये की वापसी मिल चुकी है। माल्या ने आरोप लगाया कि बैंकों ने अब तक वसूली की पारदर्शी रिपोर्ट तक नहीं दी है। इसी के साथ, माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालिया आदेश को रद्द कराने वाली याचिका भी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का समूह अब यूके में उनकी संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई बिना किसी रुकावट के जारी रख सकता है। माल्या ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अब ब्रिटेन में कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे और इस मामले को भारत में ही सुलझाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक अच्छा प्रस्ताव है, जिसे सिर्फ भारत में ही हल किया जा सकता है।

ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं।

अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं।

ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे।

संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा।

इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी।

वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी।

ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है।

साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

मिजोरम व्यापारी संगठन ने सरकार से व्यापार एक्सपो बंद करने का किया आग्रह

फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो में 36 प्रतिभागी बिना परमिट, विदेशी भागीदारी भी नहीं

आइजोल मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन (एमआईएमए) ने आइजोल के लामुअल में चल रहे **फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो** को बंद करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस व्यापार मेले में शामिल 36 प्रतिभागी बिना आवश्यक इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के पाए गए। मिजोरम जैसे संरक्षित राज्य में गैर-आदिवासी लोगों के लिए आईएलपी अनिवार्य है। एमआईएमए ने आयोजकों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 89 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक्सपो का नाम इंटरनेशनल है, जबकि इसमें कोई भी विदेशी भागीदारी नहीं है, जो कि भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही, एक्सपो में एक खाद्य विक्रेता के पास एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। एमआईएमए और मिजो छात्र संस्था एमजेडपी द्वारा चलाए गए अभियान में पकड़े गए आईएलपी उल्लंघनकर्ताओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब संगठन ने प्रशासन से एक्सपो को तुरंत बंद करने की मांग की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव

-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी , इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज़ के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहाँ उसे एकदिवसीय सीरीज़ में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गार्डनर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गार्डनर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता ।आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

मुम्बई ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत को ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

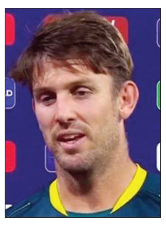

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे में दोनो को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनो ने ही टेस्ट और टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट स्किवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली। अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्सान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है।शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए यह संभवतः आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली ।वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आय है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक हैं। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्लू हेलमेट्स वाले सैनिक वास्तव में वह 'गोंद' हैं जो मिशन को एकजुट रखते हैं

यह बात जनरल द्विवेदी ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना देशों के सम्मेलन में कही

नई दिल्ली

दुनिया में आज 90 से ज्यादा देश, 56 से ज्यादा सक्रिय संघर्षों में लिप्त हैं। 90 से ज्यादा देशों की इन संघर्षों में भागीदारी ने वैश्विक व्यवस्था को जटिल बना दिया है। यह जानकारी मंगलवार को भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने दी। वह नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र शांति सेना योगदानकर्ता देशों के सम्मेलन में बोल रहे थे।

जनरल द्विवेदी ने वैश्विक शांति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नई प्रौद्योगिकियां, हाइब्रिड युद्ध, गैर-राज्यीय तत्वों की भूमिका और दुष्प्रचार जैसे कारक पारंपरिक युद्ध और शांति के बीच की रेखाओं को धुंधला कर रहे हैं। विश्व शांति में भारत के सहयोग व प्रतिबद्धता की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भारत अब तक 51 संयुक्त राष्ट्र मिशनों में करीब 3 लाख सैनिक भेज चुका है। द्विवेदी ने बताया कि यह कुल 71 मिशनों में से सबसे ज्यादा है।

उन्होंने बताया कि कोरिया (1950) और कांगो (1960) से लेकर आज 11 में से 9 चल रहे मिशनों में भारत की सक्रिय मौजूदगी रही है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल सैनिक भेजने वाला देश है, बल्कि अनुभव साझा करने में भी अग्रणी है। नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां अनेक देशों के अधिकारी प्रशिक्षण ले चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि भारत में इस सम्मेलन का आयोजन, भारत की उस भावना का प्रतीक है जिसे हम वसुधैव कुटुम्बकम् और विश्व बंधु के रूप में मानते हैं। विश्व एक परिवार है और भारत सबका मित्र। शांति स्थापना के बदलते स्वरूप पर दृष्टि डालते हुए थल सेना प्रमुख ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज शांति स्थापना अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि आज का शांति सैनिक केवल सुरक्षा प्रदाता नहीं है, बल्कि राजनयिक, तकनीकी विशेषज्ञ, समाज निर्माता और कभी-कभी संघर्ष क्षेत्रों में सूचना का एकमात्र जरिया भी बन जाता है।

उन्होंने ब्लू हेलमेट्स पहनने वाले शांति सैनिकों को लेकर कहा कि ब्लू हेलमेट्स वास्तव में वह 'गोंद' हैं जो मिशन को एकजुट रखती है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भविष्य के शांति अभियानों के लिए हमें नवोन्मेषी सोच और व्यावहारिक अनुकूलन की जरुरत है।

उन्होंने कुछ प्रमुख बिंदु रखे जिसमें उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मिशनों के लिए धन की कमी को ध्यान में रखते हुए अब कम सैनिकों और ज्यादा तकनीकी सहयोग के साथ मिशन संचालित करने होंगे। शांति स्थापना अब केवल सशस्त्र उपस्थिति तक सीमित न रहकर, निवारक कूटनीति और दीर्घकालिक शांति निर्माण की दिशा में आगे बढ़नी चाहिए।

उन्होंने पश्चिम अफ्रीकी कहावत उद्धृत की- धीरे बोलो और बड़ा डंडा साथ रखो, तुम दूर तक जाओगे। सेनाध्यक्ष ने कहा कि कुछ मिशन जिनकी जटिलता बढ़ गई है, उनके लिए सीमित अवधि के लिए दोनों अध्यायों के बीच लचीलापन की जरुरत है।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के यू1 से यू9 कार्यालयों के कार्यों का सुधार, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाना जरुरी है। उन्होंने बल दिया कि आधुनिक तकनीक, तीव्र तैनाती क्षमता और आपसी इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाना अब समय की मांग है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रशिक्षण, संसाधनों का बुद्धिमान उपयोग और साझी योजना ही शांति अभियानों को दीर्घकालिक स्थायित्व प्रदान कर सकते हैं।

16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

अलवर राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नज़र रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

पाकिस्तान के खारे पानी से श्रीगंगानगर जिले में करीब 12 हजार बीघे की फसल पूरी तरह से बर्बाद

श्रीगंगानगर

पाकिस्तान की नहर राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में फसलों को बर्बाद कर रही है। करीब 12 हजार बीघे की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। बॉर्डर के करीब दुश्मन देश का सादिकिया नहर में कच्चा नाला बना हुआ है। उसका खारा पानी रिसता रहता है। वहां खारा पानी श्रीगंगानगर जिले के खेतों को दलदल बना चुका है। मिट्ट्टी बंजर हो रही है।

बीते 12 साल से श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर के 14 गांवों के हालात भयावह हो चुके हैं। घरों में पानी घुस गया है। दीवारों में दरारें पड़ गई हैं। घर गिरने की कगार पर हैं। भूजल सर्वेक्षण विभाग श्रीगंगानगर के बरकत अली ने बताया कि पाकिस्तान की 150 किलोमीटर लंबी कच्ची सादकी नहर ऊंचाई पर बहती है।

यह 17 फीट गहरी और 300 फीट से ज्यादा चौड़ी है। इसका खारा (क्षारीय-लवणीय) पानी रिसकर भारत की सीमा में आ रहा है। इस फ्लोराइड युक्त पानी ने खेतों को दलदल बना दिया है। फसलों में जड़ गलन रोग हो रहा है।

किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। इसके कारण श्रीगंगानगर में कई इलाकों में भूजल, खेती और पीने लायक नहीं है। श्रीगंगानगर जिले के बॉर्डर इलाके में नमी आने के दो बड़े कारण सामने आए हैं। जिले में भूजल का बहुत कम उपयोग हो रहा है। इसके कारण वाटर लेवल ऊपर आ रहा है। दूसरा कारण है पाकिस्तान की सादकी नहर से पानी का रिसाव होना। यह नहर कच्ची है, जिसके कारण पानी रिसाव होकर इधर आ गया।

गाजा शांति शिखर सम्मेलन में राज्यमंत्री को भेज कर भारत ने खो दिया अवसर

कांग्रेस सांसद थरूर ने इस सापेक्षिक अनुपस्थिति को चौंकाने वाला बताया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मिस्र के शर्म एल-शेख में आयोजित गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया। अब इसको लेकर विपक्षी नेता मोदी सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर भारत की इस सापेक्षिक अनुपस्थिति को चौंकाने वाला बताते हुए सवाल उठाए। हालांकि पूर्व विदेश सचिव और वर्तमान जेएनयू कुलपति कंवल सिब्बल ने सरकार के फैसले का बचाव करते हुए इसे सही कदम करार दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा बताया जा रहा है कि पीएम मोदी को इस शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और करीब 20 अन्य विश्व नेता शामिल हुए। हालांकि, भारत सरकार ने कीर्ति वर्धन सिंह को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजा। थरूर ने कहा कि मिस्र के शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत की तरफ से राज्य मंत्री को भेजना अपने आप को रणनीतिक रूप से सीमित करने और 'एक चूके हुए अवसर' की तरह है।

थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा- शर्म अल-शेख गाजा शांति शिखर सम्मेलन में राज्य मंत्री के स्तर पर भारत की उपस्थिति, वहां एकत्रित राष्ट्राध्यक्षों के बिल्कुल अलग है। रणनीतिक रूप से सीमित करना या चूका हुआ अवसर है? थरूर ने कहा कि यह कीर्ति वर्धन सिंह पर कोई टिप्पणी नहीं है और उनकी योग्यता पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन वहां दिग्गजों की मौजूदगी को देखते हुए भारत के इस फैसले को रणनीतिक दूरी बनाए रखने की प्राथमिकता के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, जो हमारे बयानों से जाहिर नहीं होता।

थरूर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट शेयर की। सिब्बल भारत के तुर्की, मिस्र, फ्रांस और रूस में राजदूत रह चुके हैं। उन्होंने शिखर सम्मेलन को शांति की दिशा में अच्छा कदम बताया, लेकिन चेतावनी दी कि इजराइल, फिलिस्तीन, लेबनान, सीरिया और ईरान से जुड़े अनसुलझे संघर्षों के कारण स्थायी शांति की संभावनाएं जटिल हैं।

उन्होंने गाजा के प्रस्तावित पुनर्निर्माण योजनाओं को बहुत विवादास्पद करार देते हुए आरोप लगाया कि इनमें संदिग्ध रियल एस्टेट और पश्चिमी व्यावसायिक हित शामिल हैं। सिब्बल ने भारत के प्रतिनिधित्व को उचित बताया हुए कहा कि राज्य मंत्री को भेजना इस समय सही फैसला था। सिब्बल ने अपनी दलील में ट्रंप का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी का गाजा जाना ट्रंप के साथ बैठक को अनिवार्य रूप से जल्दबाजी में कर देता, जबकि टैरिफ मुद्दों का समाधान अभी बाकी है।

राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने शर्म अल-शेख में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी की सह-मेजबानी में आयोजित गाजा शांति शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा- मिस्र के शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के विशेष दूत के रूप में ट्रंप के साथ मंच साझा किया, जो राजनयिक जुड़ाव एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में एक अहम क्षण था। सम्मेलन के दौरान विदेश राज्यमंत्री की ट्रंप से भी मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब 30 सेकेंड तक बातचीत हुई, जिसमें दोनों नेता मुस्कुराते हुए नजर आए।

पंजाब पुलिस ने अमरबीर को गिरफ्तार कर भारी संख्या में अवैध हथियार किए बरामद

आरोपी हाल ही में कनाडा से लौटा था, पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में था

चंडीगढ पंजाब पुलिस ने कनाडा और पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद हुए हैं। पंजाब पुलिस के डीजीपी कार्यालय ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि पंजाब के अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी करते डेयरीवाल निवासी अमरबीर सिंह उर्फ अमर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उसके पास से 6 पिस्तौल, 11 मैगजीन, .30 बोर के 91 जिंदा कारतूस और 9 मिमी के 20 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। कुल बरामदगी 9 पिस्तौल, 101 जिंदा कारतूस (.30 बोर) और 20 जिंदा कारतूस (9 मिमी) है। डीजीपी कार्यालय ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी हाल ही में कनाडा से लौटा था और पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में था। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अन्य गुर्गों की पहचान करने और पूरे सीमा पार तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस के एसएसओसी, अमृतसर ने बीएसएफ के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। यह कार्रवाई एक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब पुलिस द्वारा बरामद हथियारों में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस शामिल हैं। ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। इस मामले में एसएसओसी, अमृतसर ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का लक्ष्य तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना है।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओं की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदबाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

भारत से रॉकेट, लोइटरिंग म्यूनिशन व काउंटर ड्रोन खरीदना चाहता है फ्रांस

फ्रेंच सेना प्रमुख ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली

फ्रांस सेना प्रमुख जनरल पियरे शिल इन दिनों भारत यात्रा पर हैं और वह दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। वह भारत से हथियारों का सौदा करना चाहते हैं और हथियारों का निर्माण करने में भी रुचि दिखा रहे हैं। इसके साथ ही वह दोनों ही मुल्कों की सेना के बीच सभी तरह के प्रशिक्षणों का दायरा बढ़ाने पर भी जोर दे रहे हैं, जिनमें खासकर के आधुनिक युग के जंग की तैयारी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जनरल पियरे शिल ने बताया है कि उन्हें भारत के लंबी दूरी के रॉकेट, लोइटरिंग म्यूनिशन और काउंटर ड्रोन सिस्टम चाहिए। फ्रांस की सेना के शीर्ष अधिकारी इस समय संयुक्त राष्ट्र की सेना में योगदान देने वाले देशों के सेना प्रमुखों की कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने दिल्ली में हैं। जनरल शिले ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच संयुक्त रक्षा निर्माण की क्षमता में सहयोग में भी दिलचस्पी रखते हैं, जो कि नए जमाने के युद्ध क्षेत्र के लिए अहम है। उन्होंने दोनों देशों के बीच एआई और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानने में दिलचस्पी है कि इंडियन आर्मी कौन से सिस्टम इस्तेमाल करती है, क्योंकि इस समय वह अपने लंबी दूरी के आर्टिकलरी सिस्टम के नवीनीकरण में लगे हैं। फ्रांसीसी सेना के प्रमुख का इशारा संभवतः लंबी-दूरी के पिनाका रॉकेट सिस्टम खरीदे जाने को लेकर है। क्योंकि, फ्रांस पहले भी स्वदेशी पिनाका रॉकेट सिस्टम खरीदने की इच्छा जता चुका है, जो पहले ही सटीक और किफायती साबित हो चुका है।

जनरल पियरे शिल ने कहा है कि भारत और फ्रांस सभी तरह के युद्ध के लिए अलग-अलग तरह के सिस्टम में सहयोग कर सकते हैं, खासकर लॉन्ग रेंज सिस्टम और लोइटरिंग म्यूनिशन विशेष दिलचस्पी वाले हथियार हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अपने उद्योगों की वजह से उन प्रणालियों का बहुत ही सटीकता के साथ इस्तेमाल कर रही है और क्योंकि वे इसके संचालन में सक्षम हैं।

बता दें फ्रेंच आर्मी चीफ ने सोमवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात भी की। उन्होंने आपसी सहयोग के लिए काउंटर-ड्रोन टेक्नोलॉजी में भी अपने देश की दिलचस्पी दिखाई है।

कांग्रेस में शामिल हुए कन्नन गोपीनाथन...लेकिन केंद्र ने 6 साल बाद भी स्वीकार नहीं किया उनका इस्तीफा

नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के कन्नन गोपीनाथन कांग्रेस में शामिल हुए हैं। खास बात है कि वे साल 2019 में ही पद से इस्तीफा दे चुके हैं, लेकिन अब तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। इसके बाद उनकी नौकरी को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। अब सवाल है कि इस स्थिति में नियम क्या कहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डीओपीटी यानी कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की रिकॉर्ड शीट में अब भी वे सेवा में हैं। 21 नवंबर 2023 को आखिरी बार अपडेट हुए रिकॉर्ड के अनुसार, वे दादर और नगर हवेली में पावर डेवलपमेंट सेक्रेटरी के तौर पर पदस्थ हैं। हालांकि, इस पर विभाग की तरफ से आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, नियम कहते हैं कि सरकारी कर्मचारी राजनीतिक दल में शामिल या चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। सेंट्रल सिविल सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स 1964 के नियम 5 के हवाले से कहा गया है, कोई भी सरकारी कर्मचारी राजनीति में भाग लेने वाले किसी भी दल संगठन से जुड़ा नहीं होगा। और वह राजनीति में भाग भी नहीं लेगा और वह राजनीतिक आंदोलन या गतिविधि में चंदा या किसी तरह से सहायता नहीं करेगा। एक बातचीत में गोपीनाथन ने कहा था, मुझे इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बारे में पुष्टि नहीं मिली है। मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार की मंशा क्या है, लेकिन 6 साल से इस्तीफा लंबित रखना उत्पीड़न है और मेरी विश्वसनीयता खराब करने का प्रयास है। इसने मुझे औपचारिक रूप से आगे बढ़ने से रोक रखा है। उन्होंने कहा, वे और क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई कर

सकते हैं। मैंने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस में शामिल होकर गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। खास बात है कि इस्तीफा स्वीकार नहीं होने तक वह चुनाव नहीं लड़ सकते है।

बिहार चुनाव में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर चल रहा नाटक

लालू ने वफादारों को बांटे चुनाव चिन्ह, तेजस्वी ने आधी रात को लिए वापस

पटना

बिहार में विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच बातचीत ठप हो गई और दोनों पक्ष किसी भी समझौते से इनकार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं को कड़ी मोलभाव करने का निर्देश दिया है, जबकि राजद प्रमुख तेजस्वी यादव अपनी ही पार्टी के रुख पर अड़े हैं। यह विवाद अब गठबंधन की चुनावी तैयारियों में बाधा बन रहा है क्योंकि कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं है। दिल्ली में तेजस्वी और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के बीच हुई एक बैठक बिना किसी समाधान के खत्म हो गई। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने सोमवार को कई वफादारों को पार्टी के चुनाव चिन्ह वितरित किए, जबकि महागठबंधन ने अभी तक आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया है। आईआरसीटीसी घोटाले के सिलसिले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेशी के बाद दिल्ली से लौटने पर पूर्व सीएम राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर भारी भीड़ जमा हो गई। पार्टी आलाकमान से बुलाए गए उम्मीदवार पार्टी चिन्ह लेने पहुंचे। कई लोग चुनाव चिह्न का प्रदर्शन करते देखे गए, उनके चेहरे खिले थे। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि कितने लोगों को आधिकारिक तौर पर पार्टी टिकट दिए गए हैं।

बता दें चुनाव आयोग ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए अधिसूचना जारी कर दी, जिसके साथ ही 122 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बीच पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए उम्मीदवारों के पास तीन दिन का समय है और ज्यादातर राजनीतिक दलों ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है।

कई प्रमुख नेताओं को राजद का चुनाव चिह्न मिला, जिससे आगामी चुनावों के लिए उनकी उम्मीदवारी का संकेत मिलता है। इनमें सुनील सिंह (परबत्ता) शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में जद(यू) छोड़ी है और नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो, जो एक वरिष्ठ नेता और मटिहानी से कई बार विधायक रहे हैं और जिन्होंने पहले जद(यू) के नेतृत्व में दो बार चुनाव जीता है। भाई वीरेंद्र, चंद्रशेखर यादव (मधेपुरा) और इसराइल मंसूरी (कांटी) जैसे मौजूदा राजद विधायक भी पार्टी सुप्रीमो लालू यादव के घर से पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदर्शित करते हुए बाहर निकलते देखे गए। यह कदम 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनाए गए उसी रणनीति की याद दिलाता है, जब लालू यादव ने

गठबंधन सहयोगियों की मंज़ूरी का इंतज़ार किए बिना, एकतरफ़ा तौर पर पार्टी के कई टिकट बांट दिए थे।

बिहार विधानसभा चुनाव इस साल 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होना है। मतगणना 14 नवंबर को होगी। बता दें सोमवार को, बिहार कांग्रेस के नेताओं, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल के बीच हुई एक बैठक में खड़गे से विवादित सीटों पर व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया।

खड़गे ने राज्य के नेताओं को तेजस्वी यादव से सीधे बात करने और मंगलवार तक इस मुद्दे को सुलझाने की सलाह दी। दिल्ली में बातचीत ठप होने के बाद, ऐसी खबरें आईं कि लालू यादव ने राबड़ी देवी के घर पर कई राजद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह बाँटे थे। तेजस्वी के पटना लौटने पर इन उम्मीदवारों को आधी रात को वापस बुला लिया गया और उनके चुनाव चिन्ह वापस ले लिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेनी थिंक टैंक का बड़ा आरोप-रूस के लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर रहा भारत

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अब यूक्रेन के एक थिंक टैंक ने भारत पर एक और बड़ा आरोप लगाया है। यूक्रेनी थिंक टैंक ने दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडीटिव्स का सबसे बड़ा निर्यातक देश है और रूसी लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद कर रहा है। यूक्रेनी थिंक टैंक इकॉनोमिक सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ यूक्रेन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडिटिव्स (ईंधन योजक) का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। साल 2024 में रूस के कुल आयातित फ्यूल एडिटिव्स में से करीब आधा भारतीय कंपनियों द्वारा निर्यात किया गया। फ्यूल एडिटिव्स एक तरल रसायनिक तत्व होता है, जो वाणिज्यिक और सैन्य विमानों के इंजन के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए ईंधन के साथ मिलाया जाता है। यूक्रेनी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा है कि रूस के एसयू-34 और एसयू-35एस लड़ाकू विमानों में फ्यूल एडिटिव्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हीं विमानों से रूस ने यूक्रेन पर क्रूज सुपरसोनिक और गाइडेड मिसाइलों से हमले किए।

मैक्सिको भारी बारिश से बाढ़ व भूस्खलन में 41 लोगों की मौत; 32 हजार से ज्यादा मकान ध्वस्त, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

पोजा रिका, एजेंसी। मैक्सिको में लगातार बारिश से आई बाढ़ व भूस्खलन के कारण कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वेराक्रूज प्रांत में छह से नौ अक्टूबर तक लगभग 540 मिलीमीटर (21 इंच से अधिक) बारिश हुई। बारिश के कारण 32 हजार से अधिक मकान ध्वस्त हो चुके हैं, जबकि बिजली गुल होने से देश भर में 3.20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने इस भीषण बारिश के लिए मैक्सिको के पश्चिमी तट पर उष्णकटिबंधीय तूफानों प्रिसिला व रेमंड को जिम्मेदार ठहराया है। मैक्सिको सिटी से 275 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित तेल नगरी पोजा रिका में बाढ़ से पहले कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय ने बताया कि मैक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित हिडाल्गो प्रांत में शनिवार तक भारी बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई और 150 समुदायों को बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा। मैक्सिको सिटी के पूर्व में स्थित पुएब्ला प्रांत में कम से कम नौ लोग मारे गए व 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। वेराक्रूज में 15 लोगों की मौत हुई है। वहां थल सेना व नौसेना भूस्खलन तथा बाढ़ के कारण अलग-थलग पड़े 42 समुदायों के निवासियों को बचाने में मदद कर रही है। बचावकर्मी क्षेत्र में 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। खाड़ी तट पर स्थित वेराक्रूज राज्य की 55 नगरपालिकाओं में 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले, मध्य क्रेटारो राज्य में भूस्खलन के कारण एक बच्चे की मौत हो गई थी। पोजा रिका के निचले इलाकों की गलियों में शुक्रवार सुबह 12 फीट तक पानी भर गया। कैजोंस नदी से तेज गति के साथ बहकर आ रहे पानी में कारें तैरती हुई आपस में टकराने लगीं। शनिवार सुबह जब पानी उतरा तो चारों तरफ तबाही दिखाई दे रही थी। पेड़ पर कारें लटकी दिखाई दे रही थीं और ट्रक के केबिन में बंद घोड़ा मर चुका था।

टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद जबर्दस्त आग, ट्रक पर गिरा विमान; कैसे हुआ हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद आग लग गई। यह घटना टेरंट कंट्री में हिक्स एयरफील्ड के पास हुई। अधिकारियों के मुताबिक क्रैश होने के बाद प्लेन ट्रकों पर गिर पड़ा। इसके बाद वहां पर आग लग गई। फोर्ट वर्थ फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक प्लेन क्रैश की घटना दोपहर को करीब डेढ़ बजे हुई। हालांकि घटना से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी क्रू मौके पर पहुंच गई। हालांकि अधिकारियों ने हादसे में किसी के घायल होने या फिर मौत की पुष्टि नहीं की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को घटना की जानकारी दे दी गई है। उम्मीद है कि यह दोनों एजेंसियां जल्द ही मामले की जांच शुरू कर देंगी। जिस जगह पर यह हादसा हुआ है, वह फोर्ट वर्थ अलायंस एयरपोर्ट और फोर्ट वर्थ मीचम एयरपोर्ट के बीच हुआ है। यह डलास-फोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास है। स्थानीय मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि हादसे के शिकार विमान ने कहां से उड़ान भरी थी और कहां जाने वाला था।

हमास ने रिहा किए सात इस्राइली बंधक; ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देगा इस्राइल

येरुशलम, एजेंसी। दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है और इस कड़ी में बंधकों की रिहाई और कैदियों की अदला-बदली के लिए भी तैयारियां पूरी हो गई हैं। वहीं इस माहौल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज इस्राइल पहुंचेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को गाजा से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और युद्ध को समाप्त करने में उनकी भूमिका के लिए देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस्राइल-हमास के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के तहत हमास ने सात इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इसकी पुष्टि इस्राइल की तरफ से की गई है, इस्राइल ने कहा है कि गाजा युद्ध विराम के तहत हमास ने पहले सात बंधकों को रेड क्रॉस को सौंप दिया है। हमास ने कहा है कि इस्राइल की तरफ बंदी बनाए गए 1900 से ज्यादा फलस्तीनी कैदियों के बदले 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस्राइली बंधकों की रिहाई की तैयारी के लिए रेड क्रॉस के वाहनों ने मध्य गाजा में अपनी आवाजाही शुरू कर दी है। वहीं हमास ने 20 इस्राइली बंधकों की सूची जारी की है, जिन्हें आज रिहा किया जाना है और हमास के सूत्रों ने एक न्यूज चैनल को बताया कि यह सूची सुबह 8 बजे के बाद सौंपी जाएगी। द टाइम्स ऑफ इस्राइल ने बताया कि इस सूची में वही 20 बंधक शामिल हैं जिनके नाम पहले ही बातचीत के दौरान इस्राइल को दिए जा चुके थे, और जिन्हें जीवित बंधकों से संबंधित समझौते के तहत रिहा करने की पुष्टि की गई थी। इस सूची में अपहृत सैनिक तामिर निमरोदी या नेपाली नागरिक बिपिन जोशी के नाम शामिल नहीं हैं। इस बीच, इस्राइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि वह लौटने वाले बंधकों की चिकित्सा सहायता के लिए आईडीएफ चिकित्सा बलों और स्वास्थ्य मंत्रालय की सहायता के लिए तैयार है। दो साल पहले हमास नरसंहार के दौरान अपहृत लोगों की रिहाई देखने के लिए तेल अवीव के बंधक चौक पर भारी भीड़ जमा होने के साथ ही स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे रिहाई शुरू होने की योजना है। गाजा शांति शिखर सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री केवी सिंह ने करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मिस्त्र की राजधानी काहिरा पहुंच गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लिखा, शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंचे। यह एक बेहद खास समय होने वाला है- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को इस्राइल रवाना हुए, उन्होंने इस यात्रा को बेहद खास समय बताया और हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते का जश्न मनाया। अपने विमान में सवार होने से पहले, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, यह एक बेहद खास समय होने वाला है। हर कोई एक साथ जयकार कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इसमें शामिल होना सम्मान की बात है और हम एक शानदार समय बिताने वाले हैं। इराक युद्ध में उनकी भूमिका के लिए ब्लेयर की लगातार आलोचनाओं के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर गाजा के शासन की देखरेख के लिए बनाए गए नए शांति बोर्ड में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा, मुझे हमेशा से टोनी पसंद रहे हैं, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह सभी के लिए स्वीकार्य विकल्प हैं। उन्होंने उन नेताओं का नाम नहीं लिया जो ब्लेयर के चयन पर अपनी राय दे सकते थे। कुछ बंधकों में दो सैनिक और चार विदेशी भी शामिल इन बंधकों में दो इस्राइली सैनिक मटन एंग्रेस्ट और निमरोड कोहेन भी शामिल हैं। दोनों को 7 अक्तूबर के युद्ध में अगवा किया गया था। इसके अलावा चार विदेशी भी बंधकों में हैं, तीन की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक नेपाली छात्र का हाल अब भी अज्ञात है। यह स्थिति रिहाई अभियान को और जटिल बनाती है। ईरान ने गाजा शिखर सम्मेलन का न्योता ठुकराया ईरानी सरकार ने मिस्त्र में होने वाले गाजा शिखर सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार तड़के पोस्ट किया, हम उन लोगों के साथ मंच साझा नहीं कर सकते जिन्होंने ईरानी जनता पर हमले और प्रतिबंध किए हैं।

जिनपिंग को लेकर ट्रंप का फिर बदल गया सुर, चीन-अमेरिका रिश्तों में यू-टर्न?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के रिश्तों में लगातार बदलाव हो रहा है। कल तक जिनपिंग को लेकर गुस्से में नजर आ रहे ट्रंप का सुर अचानक बदल गया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को बेहद सम्माननीय बताया है। साथ ही ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी चीन के साथ सहयोग का भाव लेकर चलना चाहता है। हमें आपस में कोई संघर्ष नहीं चाहिए। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच हाल में थोड़ा तनाव बढ़ा है। यह मामला रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिका द्वारा टैरिफ रेट बढ़ाने की बात के बाद आया है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'चीन के बारे में चिंता मत कीजिए। सबकुछ ठीक होगा।' उन्होंने आगे लिखा कि बेहद सम्माननीय राष्ट्रपति शी जिनपिंग का एक खराब पल था। वह अपने देश पर किसी तरह का दबाव नहीं चाहते और मैं भी ऐसा नहीं चाहता। ट्रंप के मुताबिक अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे दुखी नहीं करना चाहता।

ट्रंप के लहजे में नाटकीय बदलाव : ट्रंप के लहजे में आया यह बदलाव बेहद नाटकीय है। हाल ही में उन्होंने दुर्लभ-अर्थ मटीरियल और संबंधित टेक्नोलॉजी के निर्यात पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के चीन के फैसले की निंदा की थी। उस समय, ट्रंप ने बीजिंग पर वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इसके पीछे की भावना को अशुभ और शत्रुतापूर्ण बताया। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यह दुनिया को बंधक बनाने का प्रयास था। वहीं, अमेरिका के टैरिफ संबंधी धमकियों पर चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया। मंत्रालय ने कहा कि हम टैरिफ वॉर नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। साथ ही यह भी कहा कि अगर अमेरिका चीनी सामानों पर अपने प्रस्तावित 100% आयात शुल्क के साथ आगे बढ़ता है, जो 1 नवंबर से लागू होने वाला है, तो बीजिंग भी कठोर उपाय अपनाएगा।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव का केंद्र रेयर अर्थ मटीरियल के निर्यात को सीमित करने का चीन का कदम है। यह ऐसे महत्वपूर्ण पदार्थ हैं जिनका उपयोग स्मार्टफोन से लेकर सैन्य प्रणालियों तक, एडवांस टेक्नोलॉजी में किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी सैन्य उपयोग की संभावना का हवाला देते हुए, चीनी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि नए नियम पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं हैं। वैध नागरिक उपयोगों के लिए एक्सपोर्ट लाइसेंस अभी भी दिए जाएंगे।

कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया के शासन का 43वां साल; 99 वर्ष की आयु तक रह सकते हैं पद पर

याओंडे, एजेंसी। दुनिया के सबसे उम्रदराज नेता और कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया (92) अपने 43 साल के शासन को और आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को होने वाले एकल चरण के चुनाव में बिया के फिर से जीतने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। यदि वे जीतते हैं, तो उनका कार्यकाल 99 वर्ष की उम्र तक चलेगा। बिया ने 1982 में सत्ता संभाली थी, जब उनके पूर्ववर्ती और कैमरून के पहले राष्ट्रपति अहमदू अहिजो ने इस्तीफा दिया। इसके बाद से वह देश पर शासन कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद से कैमरून में केवल दो ही नेता सत्ता में आए हैं। बिया 1975 से 1982 तक कैमरून के पांचवें प्रधानमंत्री भी रहे। इस चुनाव में बिया के सामने 11 प्रतिद्वंदी हैं, जिनमें उनके सबसे मजबूत प्रतिद्वंदी पूर्व सरकारी प्रवक्ता इस्सा टीचिरोमा बाकरी (79) भी शामिल हैं। बिया, जो आमतौर पर कम प्रोफाइल रखते हैं, ने मंगलवार को मारौआ में अपने चुनावी अभियान में कहा कि मैं उन समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं, जो आप सभी को चिंतित करती हैं। अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि ये समस्याएं असंभव नहीं हैं। हालांकि, इस साल उनके सेवानिवृत्त होने की आवाजें तेज हुई हैं। कैथोलिक आर्चबिशप सैमुअल क्लेडा ने कहा कि यह वास्तविक नहीं है कि बिया अब भी देश का नेतृत्व करें। उनके दो पुराने सहयोगी, इस्सा टीचिरोमा और बेलो बोबा मैगारी, विपक्ष में चले गए और खुले तौर पर बिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया। यहां तक कि उनकी बेटी ब्रेंडा बिया (27) ने भी पिता से पद छोड़ने की अपील की। उन्होंने एक वायरल टिकटॉक वीडियो में कहा मेरे पिता ने कई लोगों को दुख दिया है और नागरिकों से उनसे वोट न करने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने यह बयान वापस लिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कैमरून की कम से कम 43 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है और 30 मिलियन की आबादी में से लगभग एक तिहाई लोग प्रतिदिन 2 से कम में जीवन यापन करते हैं। इस बार चुनाव में लगभग 8 मिलियन लोग, जिनमें 34,000 से अधिक प्रवासी नागरिक भी शामिल हैं, मतदान के लिए योग्य हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी, तटरक्षक बल ने फिलीपींस के सरकारी जहाज को निशाना बनाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन और फिलीपींस के बीच दक्षिण चीन सागर में टकराव का एक और गंभीर मामला सामने आया है। बताया गया है कि चीनी तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के जहाजों ने फिलीपींस के एक सरकारी पोत पर पानी की तेज बौछार से हमला किया और इसके बाद में उसे टक्कर मार दी। इस घटना में जहाज को हल्का नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी भी चालक दल के सदस्य को चोट नहीं आई।

फिलीपींस तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना दक्षिण चीन सागर के विवादित इलाके में स्थित थीटू द्वीप के पास हुई। यह द्वीप फिलीपींस के कब्जे में है और वहां फिलीपींस के नागरिकों और मछुआरों की बस्ती भी है। घटना के समय फिलीपींस का सरकारी जहाज बीआरपी दातु पगबुआया वहां दो अन्य मछली पालन विभाग

के जहाजों के साथ लंगर डाले हुए था। तीनों जहाज मछुआरों को सहयोग देने के लिए उस इलाके में मौजूद थे।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टारिएला ने बताया कि अचानक चीनी तटरक्षक जहाज और कुछ संदिग्ध सैन्य नौकाएं तेजी से वहां पहुंचीं और खतरनाक ढंग से उसके जहाजों के बहुत करीब आ गईं। इसके बाद एक चीनी जहाज, जिसका नंबर 21559 था, ने दातु पगबुआया पर सीधा पानी की तेज बौछारें दागीं। कुछ ही मिनटों बाद उसी जहाज ने फिलीपींस के पोत के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे उसे हल्का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि किसी भी चालक दल को चोट नहीं आई और जहाज बाद में सुरक्षित स्थान पर चला गया।

फिलीपींस ने घटना का वीडियो जारी किया : फिलीपींस तटरक्षक बल द्वारा जारी एक वीडियो में चीनी जहाज को पानी की तेज धार से हमला करते और फिलीपींस के झंडे को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में फिलीपींस का जहाज हमले से बचने के लिए दिशा बदलता भी दिखाई देता है। फिलीपींस तटरक्षक बल के प्रमुख एडमिरल रॉनी गिल गवान ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके मनोबल को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, फिलीपीनी मछुआरों की आजीविका इन जलक्षेत्रों पर निर्भर है। चाहे पानी की तोप चले या जहाजों से टक्कर मारी जाए, हम अपने क्षेत्र की एक इंच जमीन भी किसी विदेशी ताकत को नहीं सौंपेंगे।

चीन बोला- फिलीपींस ने की हमारे जलक्षेत्र में घुसपैठ : उधर, बीजिंग में चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन ने बयान जारी कर कहा कि फिलीपींस के जहाजों ने बिना अनुमति चीन के टियेशियान रीफ (जिसे चीन सैंडी के कहता है) के पास उसके जलक्षेत्र में घुसपैठ की। उन्होंने कहा, फिलीपींस के जहाज ने चीनी जहाज के बहुत नजदीक आने की कोशिश की, जिससे मामूली टक्कर हुई। लियू ने पूरे मामले की जिम्मेदारी फिलीपींस पर डालते हुए कहा कि इस तरह की हरकतें क्षेत्र की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाती हैं।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर किया हमला; अमेरिका से टॉमहॉक मिसाइल मिलने की आशंका पर चिंता बढ़ी

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर ताबड़तोड़ हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि उसके देश के सैनिकों ने यूक्रेन के ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया। ये ऊर्जा सुविधाएं यूक्रेन के सैनिकों के ठिकानें भी हैं। रूस ने 24 घंटे के दौरान यूक्रेन की तरफ से दागे गए 72 ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया। उधर, कीव क्षेत्र के गवर्नर माइकोला कलाशनिक ने कहा कि रूसी हमलों में यूक्रेन की ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं। इस बीच, अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल देने की संभावना से मॉस्को में चिंता बढ़ गई है। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर माईकोला कालाशनिक ने बताया कि देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी छ्ङ्गश्च्य के दो कर्मचारी रूसी हमले में घायल हुए। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, डोनेत्स्क, ओडेसा और चेर्निहिव क्षेत्रों में भी बिजली ढांचे को निशाना बनाया गया है। राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रूस हमारे शहरों और समुदायों पर हवाई आतंक जारी रखे हुए है। पिछले हफ्ते में रूस ने 3,100 ड्रोन, 92 मिसाइलें और करीब 1,360 ग्लाइड बम दागे हैं। क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दिए जाने की संभावना को लेकर रूस बेहद चिंतित है। उसने चेतावनी दी कि युद्ध एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है और हर तरफ से तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि टॉमहॉक मिसाइलें देने पर सहमति जताने से पहले वह जानना चाहेंगे कि यूक्रेन इनके साथ क्या करने की योजना बना रहा है। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को और बढ़ाना नहीं चाहते। हालांकि, इस मुद्दे पर एक तरह से फैसला कर लिया गया है।

टॉमहॉक मिसाइलों की मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन इन मिसाइलों के जरिये रूस की राजधानी मॉस्को को भी निशाना बना सकता है। मॉस्को ने महीने की शुरुआत में आरोप लगाया था कि वाशिंगटन और उसका नाटो गठबंधन यूक्रेन युद्ध में कीव को नियमित रूप से खुफिया जानकारी दे रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने उस समय संवाददाताओं से कहा था, यूक्रेनियों को खुफिया जानकारी देने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और अमेरिका के संपूर्ण बुनियादी ढांचे का उपयोग स्पष्ट है।अमेरिकी खुफिया जानकारी ने कीव को तेल रिफाइनरियों सहित महत्वपूर्ण रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर अग्रिम पंक्ति से कहीं आगे तक हमला करने में मदद की। इस मुद्दे पर व्हाइट हाउस व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ये 8वीं जंग जो मैंने रुकवाई, ट्रंप ने फिर लिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा के मुद्दे पर मिस्त्र के शर्म अल-शेख शहर में आज होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्त्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था, हालांकि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति इस बाबत अमेरिका से एयरफोर्स वन विमान से रवाना हो चुके हैं। वे पहले इस्राइल जाएंगे। इसके बाद वहीं से मिस्त्र रवाना हो जाएंगे। उनकी ओर से इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से पहली यात्रा है। इस्राइल रवाना होने से पहले उन्होंने इस दौरे को बेहद खास बताया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत खास समय होने जा रहा है... हर कोई इस पल को लेकर बेहद उत्साहित है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आमतौर पर अगर एक पक्ष खुश होता है, तो दूसरा नाराज होता है। लेकिन इस बार सब एक साथ प्रसन्न हैं।

गौरतलब है कि मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछदिनों बाद होने जा रहा है। ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व दौरे पर रवाना होने से पहले एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दौरा क्षेत्र के देशों को एकजुट कर स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको खुश करने जा रहे हैं। हर कोई खुश है...चाहे यहूदी हो, मुस्लिम या अरब देश। हम इस्राइल के बाद मिस्त्र जा रहे हैं, और वहां मेरी बहुत ताकतवर, बड़े और अमीर देशों के नेताओं से मुलाकात होगी। और सभी इस समझौते के साथ हैं। इस दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल और हमास के बीच का युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इस पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि हां युद्ध खत्म हो गया है और मुझे पूरा भरोसा है कि युद्धविराम कायम भी रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह टिकेगा। बहुत सारे कारण हैं। लोग अब थक चुके हैंज यह सदियों से चल रहा है, अब लोग इसे खत्म देखना चाहते हैं। आगे पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने फिर से खुद को युद्ध शांत कराने वाला करार दिया।

गाजा में हमास और डोगमूश कबीले के लड़ाकों में झड़प

गाजा सिटी, एजेंसी। गाजा सिटी में रविवार को हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प में 64 लोग मारे गए हैं। इनमें 52 डोगमूश और 12 हमास लड़ाके शामिल हैं। हमास के टेलीविजन चैनल के मुताबिक हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नैम का बेटा भी झड़प में मारा गया।

झड़प में एक फिलिस्तीनी पत्रकार की भी गोली लगने से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हिंसा उस समय भड़की जब हमास के लड़ाकों ने सब्रा इलाके में कबीले के ठिकानों पर हमला किया। डोगमूश कबीले ने आरोप लगाया कि हमास ने सीजफायर का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया। हमास ने चेतावनी दी है कि जो मिलिशिया मेंबर और अपराधी खूनखराबे में शामिल नहीं हैं, वे अगले रविवार तक आत्मसमर्पण कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

हमास ने 2024 में डोगमूश लीडर की हत्या की थी डोगमूश नाम की उत्पत्ति तुर्किश मूल की बताई जाती है। इसका मतलब होता है- तुर्किये में जन्मा हुआ। कहा जाता है कि डोगमूश कबीला 20वीं सदी की शुरुआत में पलायन कर गाजा पहुंचा था। यह कबीला गाजा सिटी के साब्रा और तेल अल-हवा में बसा हुआ है। डोगमूश गाजा के बड़े घरानों में गिना जाता है। डोगमूश पर अलकायदा के करीबी होने का आरोप लगता है। इस कबीले पर ब्रिटिश पत्रकार एलन जॉनस्टन और इजराइली कैदी गिलाश शालिद के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। गाजा में सत्ता हासिल करने को लेकर डोमगूश और हमास के बीच कई बार संघर्ष हो चुका है। 2008 में हमास ने डोगमूश के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। 2024 में हमास ने सालेह डोगमूश को मार दिया था। हमास ने आरोप लगाया था कि सालेह गाजा पहुंचने वाली राहत सामग्री को कब्जा कर महंगे दामों पर बेच रहा था।

गाजा जंग में 270 से ज्यादा पत्रकारों की मौत : गाजा सिटी में हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी पत्रकार सालेह अलजफरावी (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलजफरावी संघर्ष की कवरेज कर रहे थे। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव (प्रेस लिखी जैकेट पहने) एक ट्रक के पीछे पड़ा मिला। हमास के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में शामिल डोगमूश गुट इजराइल से जुड़ा सशस्त्र संगठन है। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने उन लोगों पर भी हमला किया जो दक्षिण गाजा से लौट रहे थे। अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार गाजा में मारे जा चुके हैं। इजराइल से समझौते के बीच हिंसा हुई हमास और डोगमूश लड़ाकों में हिंसा, इजराइल से पीस समझौते के बीच हुई है। डोगमूश कबीले को अल डोगमूश मिलिशिया के नाम से भी जाना जाता है। इस कबीले के एक सदस्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बच्चे चिल्ला रहे हैं और मर रहे हैं, हमारे घर जल रहे हैं। हम फंसे हुए हैं। मुझे नहीं पता वे सभी हथियारों के साथ कैसे अंदर आए। यहा बड़ी हत्या हो रही है। कबीले के एक सीनियर सदस्य ने मुसलमानों से मुसलमानों का खून नहीं बहाने की अपील की। दूसरी तरफ हमास आज दोपहर तक 20 इजराइली बंधकों को रेड क्रॉस को सुपुर्द करेगा। बंधकों को छह से आठ वाहनों में रेड क्रॉस की निगरानी में इजराइल की सेना के हवाले किया जाएगा और फिर उन्हें दक्षिण इजराइल ले जाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंत्री के भाइयों समेत कई लोगों पर जमीन घोटाले का कांग्रेस का आरोप

सूरत जिले में पावरग्रिड ने जहाँ जमीन मांगी थी, वहाँ नहीं बल्कि दूसरे गाँव में दी गई

14 दिन में ही जमीन को गैर-कृषि (NA) में बदला गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के नेता तुषार चौधरी ने सूरत के ओलपाड में जमीन अधिग्रहण में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि इस घोटाले में मंत्री मुकेश पटेल के परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। कांग्रेस का आरोप है कि पावरग्रिड कॉरपोरेशन ने जिस गाँव में जमीन मांगी थी, उसके बजाय दूसरी जगह अधिग्रहण किया गया और खेती योग्य जमीन को सिर्फ 14 दिनों में गैर-कृषि (NA) घोषित कर दी गई। मंत्री मुकेश पटेल ने इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया है।

6 अगस्त 2024 को पावरग्रिड कॉरपोरेशन के सीनियर जनरल मैनेजर ने ओलपाड के मामलतदार को टकामा, गोला और राजनगर (तालुका ओलपाड) गाँवों में जमीन अधिग्रहण के लिए पत्र लिखा था। लेकिन 20 अगस्त 2025 को अचानक मौजे ओलपाड (प्रॉपर ओलपाड गाँव) में सबस्टेशन स्थापित करने की अधिसूचना जारी कर दी गई। कांग्रेस के अनुसार, अधिसूचना जारी होने से पहले ही अक्टूबर–नवंबर 2024 से मौजे ओलपाड में बड़े पैमाने पर जमीन की खरीद-फरोख्त शुरू हो गई थी। कई प्लॉट्स को NA (गैर-कृषि) में बदल दिया गया था। इन जमीनों को खरीदने वालों में कई राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोग और मंत्री के रिश्तेदार शामिल हैं।

कांग्रेस का आरोप है कि पावरग्रिड सबस्टेशन की जानकारी पहले से होने के कारण इन लोगों ने जमीन खरीदी और जल्दबाजी में उसे ह्व में बदलवा लिया। इससे सरकार को जमीन के अधिक दाम चुकाने पड़े, जिससे राजकोष को लगभग 219 करोड़ का नुकसान हुआ। इसके साथ ही कांग्रेस ने यह सवाल भी उठाया कि मंत्री के पुत्र विशाल का नाम गन लाइसेंस घोटाले में आने के बाद भी उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? क्या कानून मंत्रीपुत्रों के लिए अलग है?

डॉ. तुषार चौधरी ने कहा — “जब सरकार के लोग ही तिजोरी को नुकसान पहुँचाएँगे, तो जनता का हित कौन देखेगा? ऐसे लोगों को तुरंत बर्खास्त कर कड़ी जांच होनी चाहिए।”

इस पर राज्य मंत्री मुकेश पटेल ने कहा, “कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही है। मेरे भाई और मैं अलग-अलग रहते हैं। यह सब निजी कंपनी का मामला है — पावरग्रिड। केंद्र सरकार ने खावड़ा से बोइसर तक लाइन बिछाने के लिए 30 से 35 हजार करोड़ का टेंडर निकाला था, जिसमें अदाणी, स्टरलाइट इंडिया और पावरग्रिड तीन कंपनियाँ शामिल थीं। पावरग्रिड ने 33 हजार करोड़ में यह काम लिया और जमीन अधिग्रहण किया। इसमें किसी का नुकसान नहीं हुआ बल्कि फायदा हुआ है।

मेरे पिता-दादा की 50 बीघा जमीन है। मेरे चार भाई हैं और सभी अलग रहते हैं, अपना-अपना काम करते हैं और इनकम टैक्स भरते हैं। इसलिए कांग्रेस के ये आरोप पूरी तरह गलत हैं।”

आरोपितों के नाम

प्रकाशभाई मणिलाल पटेल (एडवोकेट)
मनोजभाई हीराभाई पटेल (एडवोकेट)
विजयभाई जीनाभाई पटेल— राज्य मंत्री मुकेश पटेल के सगे भाई
जयेशभाई जीनाभाई पटेल-राज्य मंत्री के सगे भाई
फेनिल बृजेश पटेल और जिलय बृजेश पटेल — ओलपाड तालुका भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के पुत्र

कांग्रेस की मांगें

1. **पूरे जमीन घोटाले की जांच के लिए SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) गठित की जाए।**
2. **निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित मंत्री को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए।**
3. **यह भी जांच की जाए कि क्या अतीत में भी इसी तरह के घोटाले हुए हैं।**
4. **छोटे किसान से करोड़पति बने इन लोगों ने इतनी संपत्ति कैसे अर्जित की, इसकी जांच हो।**

वापी में ACB की सफल कार्रवाई

CGST कार्यालय के दो अधिकारी 2000 की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने सफल ट्रैप ऑपरेशन चलाकर सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स (CGST) कार्यालय के दो अधिकारियों को 2000 की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया है। यह कार्रवाई वापी स्थित ष्टत्रस्ञ्ज और सेंट्रल एक्साइज कार्यालय में की गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार, एक जागरूक नागरिक ने ACB से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि वापी CGST कार्यालय के असिस्टेंट अकाउंटेंट ऑफिसर कपिल नटवरलाल जैन (उम्र 35 वर्ष) और सीनियर अकाउंटेंट ऑफिसर रविशंकर श्यामाकांत झा (उम्र 47 वर्ष) ने फूलों के गमलों की आपूर्ति से संबंधित बिल की मंजूरी देने के लिए 2000 की रिश्वत की मांग की थी।

शिकायतकर्ता रिश्वत देने के इच्छुक नहीं थे, इसलिए उन्होंने ACB को इसकी सूचना दी। इसके बाद ACB की टीम ने 14 अक्टूबर 2025 को ट्रैप की योजना बनाई। यह ट्रैप वापी CGST कार्यालय की चौथी मंजिल पर स्थित कपिल जैन के कार्यालय में लगाया गया, जहाँ दोनों अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया।

आरोपी कपिल जैन ने शिकायतकर्ता से 2000 की रिश्वत स्वीकार की थी, जबकि रविशंकर झा रिश्वत की मांग में शामिल पाए गए। ACB की टीम ने मौके से 2000 की रिश्वत राशि बरामद की है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दिवाली से पहले सूरत के उधना स्टेशन पर भीड़ 15 दिन बंद रहेंगी ये सेवाएं, चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के दौरान उत्तर भारत की ओर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यात्रियों की सस्ती और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, उधना और वलसाड स्टेशनों से अनारक्षित च्पूजा स्पेशल ट्रेनेंज् शुरू करने की घोषणा की गई है। ये ट्रेनें 14 से 29 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न शहरों के लिए चलेंगी।

विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जाएँगी

पश्चिम रेलवे ने निम्नलिखित तीन पूर्णत: अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

प्रत्येक ट्रेन में 20 डिब्बे होंगे:

उधना-भागलपुर अनारक्षित स्पेशल (09081-09082): यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक कुल 14 फेरे लगाएगी। यह प्रतिदिन सुबह 11꞉15 बजे उधना से रवाना होगी।

उधना-समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल (09091-09092): यह ट्रेन भी 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक चलेगी। यह उधना से रात 10꞉00 बजे रवाना होगी।

वलसाड-बरौनी अनारक्षित स्पेशल꞉ यह ट्रेन भी इसी अवधि के दौरान चलने के लिए निर्धारित की गई है।

उधना स्टेशन पर पार्सल बुकिंग पर अस्थायी रोक

यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्लेटफ़ॉर्म पर किसी भी तरह की बाधा से बचने के लिए, रेलवे ने एक अतिरिक्त नियामकीय निर्णय लिया है। 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक उधना रेलवे स्टेशन से पार्सल बुकिंग और हैंडलिंग पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध उधना से चलने वाली या वहाँ से जाने वाली सभी ट्रेनों के साथ-साथ पार्सल लोडिंग और अनलोडिंग के लिए उधना से होकर गुजरने वाली ट्रेनों पर भी लागू होगा। हालाँकि, लीज़ पर लिए गए पार्सल यातायात को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को अपने आवश्यक निजी सामान कोचों में ले जाने की अनुमति दे दी है और स्टेशनों पर विशेष घोषणाओं के माध्यम से जानकारी प्रदान की जाएगी।

दिवाली से पहले खाद्य विभाग की छापेमारी के दौरान मिठाइयों पर रेंगते कॉकरोच का वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका के खाद्य विभाग ने दिवाली से पहले मिठाइयों के नमूने लेने का काम शुरू किया है। हालाँकि, इस कार्य के दौरान घोड़दौड़ रोड स्थित एक मिठाई की दुकान में मिठाइयों पर कॉकरोच रेंगने का वीडियो वायरल हो गया है। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय, खाद्य विभाग ने दुकानदार का ध्यान आकर्षित करके मामले को दबाने की कोशिश की है। हालाँकि, आज के कार्य के दौरान, नगर पालिका के खाद्य विभाग ने विभिन्न इलाकों में मिठाइयाँ बेचने वाली दुकानों पर छापेमारी की और नमूने जाँच के लिए प्रयोगशाला भेजे।

सूरत में आने वाले दिनों में दिवाली है और दिवाली के दौरान मिठाइयों की बिक्री काफी होती है। हालांकि, ग्राहकों को मिलने वाली मिठाइयाँ स्वास्थ्यवर्धक हैं या नहीं, इसकी जाँच के लिए नगर पालिका के खाद्य विभाग ने एक टीम बनाई है और अलग-अलग इलाकों में मिठाई की दुकानों से नमूने ले रही है। इसी कार्रवाई के दौरान, जब स्वास्थ्य विभाग की टीम घोड़दौड़ रोड स्थित एक मिठाई की दुकान में मौजूद थी, तो मिठाई की ट्रे पर एक कॉकरोच रेंगता हुआ दिखाई दिया। इसके साथ ही, आरोप हैं कि इस घटना के बाद, नगर पालिका के खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करने के बजाय व्यापारी का ध्यान अपनी ओर खींचने और मामले को दबाने की कोशिश की।

आज की छापेमारी के दौरान नगर निगम की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों से मिठाइयों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला में भेजा, जहां उन्होंने कहा कि जांच के दौरान नमूने फेल होने पर कार्रवाई की जाएगी।

वडोदरा में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन समारोह जगदीश विश्वकर्मा बाइक पर बैठकर कार्यक्रम में पहुंचे

CM बोले – ‘स्वदेशी में है हमारी ताकत, उसी से हम आत्मनिर्भर बनेंगे’

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर के अंबालाल पार्क ग्राउंड में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम से पहले एक्सप्रेस हाईवे टोलनाका पर जिला भाजपा पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया, जिसके बाद 2000 बाइकों की रैली निकाली गई। जगदीश विश्वकर्मा खुद बाइक पर बैठकर समारोह स्थल पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष का फूलों से स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि रैली के दौरान रास्ते में लगे बैरिकेट नहीं खोलने पर एक वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस से उलझता हुआ देखा गया।

प्रदेश अध्यक्ष के अभिनंदन समारोह के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल स्वर्गीय निषीध देसाई के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। निषीध देसाई वडोदरा नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन थे और हाल ही में हृदयाघात से उनका निधन हुआ था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कहा, “हाउ द जोश... जैसे जोश के साथ युवाओं ने रैली में भाग लिया, उसने मुझे 1990 के अपने युवा कार्यकाल की याद दिला दी। इसलिए मैं भी बाइक पर बैठकर आया हूं। इमारत चाहे कितनी भी बड़ी हो, उसकी नींव की ईंट सबसे महत्वपूर्ण होती है। वडोदरा की इस धरती पर आप सभी का आशीर्वाद मिला है। युवाओं से मैं कहना चाहता हूं कि लाइब्रेरी से ‘शासन के सूत्रों’ पर आधारित एक पुस्तक जरूर पढ़ें।”

उन्होंने आगे कहा, “संघ की पहली शाखा वडोदरा में ही लगी थी। मकरंद देसाई समेत कई लोगों ने मेहनत की, तब जाकर भाजपा का भगवा झंडा लहराया। आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया में बढ़ाया है और विकास की राजनीति की है। 2014 में वडोदरा ने प्रधानमंत्री को 5.70 लाख वोटों से जिताकर केंद्र भेजा था।”

उन्होंने आगे कहा, “मैं भी आपकी तरह एक सामान्य कार्यकर्ता था और आज आपके सामने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में खड़ा हूं। भाजपा में हर कार्यकर्ता की कद्र होती है। एक सामान्य परिवार का बेटा भी प्रदेश अध्यक्ष बन सकता है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो नारा दिया है, उसके तहत मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि इस दिवाली पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदें। अगर 140 करोड़ लोग स्वदेशी वस्तुएं खरीदेंगे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा।”

मुख्यमंत्री ने ‘रामचंद्र भगवान की जय’ के उद्घोष से अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा, “पहले चुनावों में झगड़े होते थे, अब विकास की बात करनी पड़ती है — यह राजनीति नरेंद्र भाई लेकर आए हैं। पहले हम किसी देश से कंधा नहीं मिला सकते थे, आज हम कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं। जगदीशभाई ने सरकार और संगठन दोनों में निष्ठा से काम किया है। हमें टेक्नोसेवी प्रदेश अध्यक्ष मिले हैं, जिससे हमारा काम आसान होगा और कार्यकर्ताओं को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। भाजपा का ऐसा प्रदेश अध्यक्ष मिला है जो पार्टी के झंडे की सरकड़ी का भी मूल्य जानता है।” मुख्यमंत्री ने आगे कहा, “7 से 15 तारीख तक हमने ‘विकास सप्ताह’ मनाया। हमारी ताकत स्वदेशी में है, और उसी से हम आत्मनिर्भर और विकसित बन सकते हैं। भाजपा के कार्यकर्ता देवतुल्य हैं। जब कोरोना में परिवारों ने लोगों को छोड़ दिया था, तब भाजपा कार्यकर्ता सेवा में जुटे थे। आपकी ताकत के बल पर ही हम आगे बढ़े हैं। प्रदेश अध्यक्ष को हार्दिक शुभकामनाएं — आप पार्टी को और ऊंचाइयों तक ले जाएं।”

पांच साल की बच्ची से बलात्कार के दोषी को उम्रकैद

सूरत कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की एक विशेष अदालत ने पॉक्सो एक्ट के तहत एक गंभीर मामले में ऐतिहासिक और अनुकरणीय फैसला सुनाया है। नए कानून के तहत शहर में दर्ज इस पहले बलात्कार के मामले में अदालत ने आरोपी को जीवन की अंतिम सांस तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह अपराध 2 जुलाई 2024 को डिंडोली थाने में दर्ज किया गया था, जिसमें एक पाँच साल की बच्ची पीड़िता थी।

आरोपी सुरेश उर्फ सलमान रामभाऊ गोस्वामी (उम्र 37, निवासी नवागाम, डिंडोली) बच्ची के पड़ोस में रहता था और उसके परिवार से अच्छी तरह परिचित था। पीड़िता के माता-पिता के काम से बाहर जाने के कारण, वह अपने दादा-दादी के साथ रहती थी। इसी जान-पहचान का फायदा उठाकर आरोपी सुरेश 5 साल की बच्ची को बिस्कुट दिलाने के बहाने अपने घर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। इस गंभीर अपराध की सूचना मिलते ही सूरत पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी सुरेश गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया।

सूरत पुलिस ने इस मामले में समय पर पुख्ता सबूत जुटाकर त्वरित कार्रवाई का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। पुलिस ने कुल 25 गवाहों से पूछताछ की और मात्र 16 दिनों की अल्पावधि में जांच पूरी कर अदालत में 240 पृष्ठों का आरोपपत्र पेश किया।

न्यायालय में प्रस्तुत सभी साक्ष्यों, गवाहों और सरकारी वकील की सशक्त दलीलों के आधार पर, माननीय न्यायालय ने अभियुक्त सुरेश उर्फ सलमान रामभाऊ गोस्वामी को दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास (जीवन की अंतिम सांस तक) की सजा सुनाई है। इसके अतिरिक्त, पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत 10,000 रुपये का जुर्माना और जुर्माना अदा न करने पर 2 वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भी लगाया है। न्यायालय के इस फैसले से न केवल पीड़ित परिवार को न्याय मिला है, बल्कि समाज को एक कड़ा संदेश भी मिला है।